इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र

कुम्हरावंड, जगदलपुर, बस्तर – 494 005

अंक–01 | अप्रैल से जून | वर्ष – 2008

डॉ. सी.आर. हाजरा
कुलपति
इ.गां.कृ.वि.वि., रायपुर

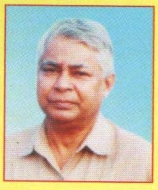

शुभकामना संदेश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर द्वारा इंदिरा किसान मितान (त्रैमासिक पत्र) का पहला अंक प्रकाशित किया जा रहा है । यह पत्र बस्तर अंचल के किसानों के लिए बहुत उपयोगी होगा एवं इसके माध्यम से कृषक कृषि की उन्नत तकनीक की जानकारी प्राप्त कर सकेगें । मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्र में प्रकाशित होने वाली कृषि तकनीक की समग्र जानकारी किसानों के लिए उत्प्रेरक एवं मार्गदर्शन का कार्य करेगी । मैं इंदिरा किसान मितान के प्रथम अंक के लिए सफल प्रकशन हेतु हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ ।

सी.आर. हाजरा

डॉ. यू.एस.गौतम
आंचलिक समन्वयक
जोन–7, जबलपुर, म.प्र.

संदेश

अंत्यत हर्ष का विषय है कि कृषि विज्ञान केंद्र,जगदलपुर द्वारा इंदिरा किसान मितान (त्रैमासिक पत्र) का प्रथम अंक प्रकाशित किया जा रहा है । बस्तर की प्रमुख फसलें धान, कोदो–कुटकी, मक्का एवं रामतिल है लेकिन कृषकों में तकनीकी ज्ञान अभाव होने कारण उत्पादन बहुत कम है । यह पत्रिका केंद्र की उपलब्धियों के साथ मैदानी कार्यकर्ता एवं कृषकों तकनीकी ज्ञान से अवगत कराते हुये कृषि विकास में सहायक सिद्ध होगी । इंदिरा किसान मितान के सफल प्रकाशन हेतु संपादक मंडल को हार्दिक शुभकामनायें ।

यू.एस.गौतम

डॉ.एस.सी.मुखर्जी
कार्यक्रम समन्वयक,
कृषि विज्ञान केंद्र
जगदलपुर

दो शब्द

कृषि क्षेत्रों को सुदृढ़ बनाये बगैर प्रगति की कल्पना अधूरी है आज जरूरत इस बात की है हम कृषकों को नकदी फसलों के लिए प्रोत्साहित करे ओर उन्हें उत्कृष्ट खेती के साधन उपलब्ध करायें । इस कार्य में कृषि विज्ञान केंद्र अहम भूमिका निभा रहा है । इसी तारतम्य में इस केंद्र द्वारा त्रैमासिक पत्रिका इंदिरा किसान मितान का प्रथम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमे केंद्र की उपलब्धियों के साथ कृषकों के लिए उपयोगी तकनीकी जानकारी का प्रकाशन होगा।

एस.सी.मुखर्जी

डॉ. आर.बी.एस.सेंगर
निदेशक विस्तार सेवायें
इ.गां.कृ.वि.वि., रायपुर

संदेश

कृषि तकनीक के हस्तान्तरण के लिए पत्र–पत्रिकाएं एक सशक्त माध्यम माना जाता है । प्रसन्नता का विषय है कि कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर द्वारा त्रैमासिक पत्रक इंदिरा किसान मितान का अंक–1 (अप्रैल–जून,2008) प्रकाशित किया जा रहा है ।

अतः उपरोक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए खेती–किसानी के संबंधम में नई–नई जानकारियॉ इस पत्रक में प्रकाशित की जाएगी है और उन्हें बस्तर जिले के समस्त किसानों की आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ बनाने हेतु उलपब्ध कराई जावेगी ।

कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर के समस्त वैज्ञानिकों को इंदिरा किसान मितान पत्रक प्रकाशित करने हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ ।

आर.बी.एस.सेंगर

डॉ.एस.के.पाटिल
अधिष्ठाता
श.गु.कृषि महा. एवं अनु. केंद्र
जगदलपुर, बस्तर

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर द्वारा बस्तर जिले के कृषकों के लिए कृषि संबधित उन्नत तकनीक की जानकारी युक्त त्रैमासिक इंदिरा किसान मितान पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है ।मैं इस पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ ।

एस.के.पाटिल

तुलसीराम को प्रगतिशील कृषक अवार्ड

श्री तुलसीराम सेठिया, मालगांव का प्रगतिशील कृषक है । वह प्राथमिक शिक्षा तक पास है तथा कुलभूमि 2 हेक्टेयर है । उन्नत कृषक बनने से पहले वह किराना दुकान मे मजदूरी करता था तथा मजदूरी से 10000 से 12000 हजार रूपये प्रतिवर्ष कमाता था । वर्ष 2002 से पहले एकल फसल के रूप में धान, रामतिल एवं मंडिया (रागी) की खेती करता था । वर्ष 2002 से जब वह कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर के समर्पक में आया तब वैज्ञानिकों के द्वारा तकनीकी ज्ञान प्रशिक्षण, प्रदर्शन, प्रक्षेत्र परीक्षण आदि इस कृषक को दिया गया । जिससे वह तीनों मौसमों में मुख्यतः सब्जी उत्पादन (गोभी, मिर्च, भिंडी, बिंस, बैंगन एवं मटर) कर रहा है साथ में आम, पपीता, केला एवं पुष्प की खेती में भी रूझान बढ़ा है । मक्का एवं धान की खेती दूसरों की जमीन पर करता है । जिससे वह प्रतिवर्ष 1 से 1. 25 लाख रूपये कमाता है । आज उसके पास मोटरसाइकल, रंगीन टी.वी., मोबाइल एवं उन्नत नस्ल के 2 बैल एवं 2 गाय है । फसल सघनता में भी 280 प्रतिशत तक बढोत्तरी हुई है। आज वह रेडियो, टी.वी. एवं कृषक भ्रमणों के माध्यम से क्षेत्र के कृषकों तक अपना अनुभव एवं तकनीकी मार्गदर्शन दे रहा है साथ ही प्रतिदिन 15 से 20 मजदूरों को कार्य दे रहा है । इन्ही उपलब्धियों के आधार पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा फरवरी, 08 में प्रगतिशील कृषक अवार्ड दिया गया एवं इं.गा.कृ.वि. वि.,रायपुर द्वारा दिनॉक 03/04/08 माननीय डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री छ.ग. शासन के करकमलों द्वारा सम्मानित किया गया ।

प्रगतिशील कृषक तुलसीराम
कृषि विज्ञान मेला, नई–दिल्ली में सम्मानित

इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हरावण्ड

जगदलपुर, बस्तर – 494 005

अंक : 02

जुलाई से सित. 2008

सांसद बस्तर द्वारा कृषक भवन का लोकार्पण

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई–दिल्ली के वित्तीय सहायोग से कृषक भवन का निर्माण किया गया । जिसका लोकापर्ण माननीय सांसद श्री बलीराम कश्यप, बस्तर एवं डॉ. सी.आर.हाजरा, कुलपति इं.गा.कृ.वि.वि., रायपुर के कर कमलों द्वारा दिनॉक 26/07/08 को किया गया। इस अवसर पर निदेशक विस्तार सेवायें, डॉ. आर.बी. एस.सेंगर, अधिष्ठाता, डॉ. के.सी.पी. सिंह, डॉ. एस.के.पाटील, जे.डी.ए. श्री जी.के. निर्माम डॉ. एस.सी.मुखर्जी, कार्यकम समन्वयक अन्य वैज्ञानिक अधिकारी एवं कृषक उपस्थित थे ।

इंदिरा किसान मितान समाचार पत्र का सांसद द्वारा बिमोचन

कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर द्वारा इंदिरा किसान मितान त्रैमासिक समाचार पत्र का प्रकाशन निदेशक विस्तार सेवायें, डॉ. आर.बी.एस.सेंगर के निर्देशन में शुभारंभ किया गया । इस समाचार पत्र के प्रथम अंक का विमोचन माननीय सांसद श्री बलीराम कश्यप एवं डॉ. सी.आर. हाजरा कुलपति के हाथों दिनॉक 26 जुलाई, 2008 को किया गया । इसके प्रकाशक डॉ. एस.सी.मुखर्जी एवं संपादक डॉ. बी.एस.किरार है ।

द्वितीय वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर में द्वितीय वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक दिनॉक 26/07/08 को माननीय कुलपति डॉ. सी. आर. हाजरा, इं.गा.कृ.वि.वि, रायपुर की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। इस बैठक में निदेशक विस्तार सेवायें, डॉ. आर.बी.एस. सेंगर, इं.गा.कृ.वि.वि., रायपुर, अधिष्ठाता,द्वे डॉ. के.सी.पी. सिंह, डॉ. एस.के.पाटिल संयुक्त संचालक कृषि श्री जी.के. निर्माम, संयुक्त संचालक पशु डॉ. कावडे, उपसंचालक उद्यान, भूपेद्र पांडे, डी.डी. ए. एन.एल. पांडे, कृषि अभियंत्रा, पी. चन्देल,, नार्बाड के. मोहन, लीड बैंक, श्री श्रीवास्तव दूरदर्शन श्री नेताम, आकाशवाणी श्री नाग एवं अन्य अधिकारी व वैज्ञानिकों ने भाग लिया । डॉ. एस. सी. मुखर्जी, कार्यकम समन्वयक, कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर ने विगत वर्ष (2007–08) में केंद्र द्वारा बस्तर जिल में कृषि विस्तार के क्षेत्र में किये गये कार्यो की प्रगति एवं आगामी वर्ष 2008–09 के प्रस्तावित कार्यो की जानकारी दी गयी । कार्यक्रम का संचालन एवं आभार वैज्ञानिक रत्ना नशीने द्वारा किया गया ।

कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा बी.एस.किरार को बेस्ट पोस्टर अवार्ड

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सृजन पीठ संस्कृति विभाग छ.ग. शासन रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में 15 सितम्बर 2008 को राज्य स्तरीय हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें छ.ग. में महिला सशक्तिकरण एवं कृषि विकास में बस्तर की महिला रैवारी ने परंपरागत खेती को उन्नत खेती में बदला विषय पर शोध पत्र को पोस्टर द्वारा प्रस्तुत किया गया। मूल्याकंन पश्चात् डॉ. बी. एस.किरार को द्वितीय स्थान से कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सरजियस मिंज, छ.ग. शासन के हाथों पुरस्कृत किया गया।

मा. श्री बलीराम कश्यप, सांसद बस्तर द्वारा

कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र पर नारियल का पौध रोपण

संरक्षक : डॉ. सी.आर. हाजरा, कुलपति, इं.गां.कृ.वि.वि., रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ. आर.बी. एस. सेंगर, निदेशक विस्तार सेवायें, इं. गां. कृ. वि. वि., रायपुर

प्रेरणा स्त्रोत: डॉ. यू.एस.गौतम, आंचलिक समन्वयक, जोन–7, भा.कृ.अनु. परि., जबलपुर (मध्य प्रदेश)
डॉ. एस.के. पाटिल, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर

प्रकाशक : डॉ. एस.सी. मुखर्जी, कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, बस्तर

संपादक : डॉ. बी.एस. किरार, एस.एम.एस. (कृषि विस्तार)

सहयोगी : सुश्री रत्ना नशीने, एस.एम.एस. (गृह विज्ञान)
डॉ. बी.एस. असाटी, एस.एम.एस. (उद्यानिकी)
श्री आर. एस. राजपूत, प्रक्षेत्र प्रबंधक (मृदा विज्ञान)

इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हरावण्ड

जगदलपुर, बस्तर – 494 005

भा.कृ.अनु.प. ICAR

अंक : 03

अक्टूबर से दिसम्बर 2008

ड्रिपविधि से मिर्च की सफल खेती. : इस्माइल खाँ

श्री इस्माइल खाँ, गांव बालेंगा वि.ख. बस्तर का कृषक है, सिंचाई स्त्रोत ट्यूबवेल एवं ड्रिप विधि से मिर्च की सफल खेती कर रहा है ।

इस्माइल वर्ष 1999 से खेती सम्भाल रहा है। पहले इनकी कृषि पद्धति में धान, मक्का, उडद, सब्जियों, रामतिल एवं चना आदि की स्थानीय किस्में, बहुत कम खाद का प्रयोग, पौध संरक्षण में ध्यान न देना, सिंचाई सुविधा एवं तकनीकी जानकारी के अभाव में खेती करता था। जिससे 50000 से 60000 रूपये प्रतिवर्ष कमाता था। वर्ष 2001 से इस्माइल खां कृषि विज्ञान केंद्र जगदलपुर के संपर्क में आये, और उन्हें फसल विविधिकरण करने व सिंचाई साधन जुटाने के लिये प्रेरित किया और उन्होने संकर मक्का व धान की खेती से अच्छा फायदा लिया । उसके बाद वर्ष 2004 में ट्यूबवेल खनन् कराया फिर सब्जी उत्पादन (मिर्च, भिंडी, मटर, कद्दुवर्गीय) शुरू किया । इस्माइल आज 7 एकड में संकर मिर्च ड्रिप सिंचाई विधि से 200–250 क्विंटल प्रति एकड़ पैदा कर रहा है। इस प्रकार वर्तमान में इस्माइल खेती से लगभग 4 से 5 लाख रूपये प्रतिवर्ष कमा रहा है साथ ही 25 से 30 स्थानीय लोगों को वर्षभर रोजगाार दे रहा है । इसकी खेती से प्रभावित होकर 2 पडोसी कृषकों ने ट्यूबवेल कराया और द्विफसलीय गेहूँ एवं सब्जी लगाना शुरू किया । प्रक्षेत्र पर अन्य कृषक भी भ्रमण कर तकनीक लाभ उठा रहे हैं और इनके अनुभवों को दूरदर्शन एवं रेडियो के माध्यम से बस्तर अंचल में प्रशारित किये जा रहे हैं । डॉ. बी.एस.किरार, वैज्ञानिक ने इस्माइल से व्यक्तिगत संपर्क कर उनकी खेती की प्रगति पर चर्चा कर जानकारी एकत्रित कर प्रसारित की जा रही है जो अन्य कृषकों के लिए प्रेरणादायक का काम करेगी।

उच्चहन भूमि में गन्ना एवं सब्जी की सफल खेती : सुखराम

कृषक श्री सुखराम कश्यप, जाति अनुसूचित जनजाति ग्राम मालगांव वि.ख. – बकावंड जिला बस्तर का रहने वाला है । आज वह 5 एकड़ उच्चहन भूमि पर सफल खेती कर रहा है

वर्ष 2002 मे मालगांव को कृषि विज्ञान केंद्र, जगदलपुर ने फसलविविधिकरण के अंतर्गत अंगीकृत किया और शासन की योजना के तहत् ट्यूबवेल खनन् कराया और वैज्ञानिक मार्गदर्शन में अपनी स्थानीय कृषि पद्धति में परिवर्तन करना शुरू किया । इससे पहले सुखराम देशी धान, कुल्थी, रागी एवं रामतिल आदि फसलों एवं कृषि मजदूरी से वर्षभर में लगभग 15000 रूपये कमाता था ।

वर्तमान में उच्चहन भूमि में गन्ना, मक्का, फूलगोभी, भिंडी आदि की खेती तकनीकी विधि से कर रहा है । उसके अनुभव को आकाशवाणी एवं दूरदर्शन द्वारा रिकार्डिग कर जिले के अन्य कृषकों तक पहुंचाया जा रहा है । आज वह 5 एकड़ भूमि में 2–3 फसल पैदा कर रहा है और वह उन्नत व संकर बीज, रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं का उपयोग अपनी खेती में कर रहा है । अपने परिवार के 5 सदस्यों एवं अन्य दूसरे 3–4 लोगों को वर्ष भर कार्य दे रहा है । आज उसकी रोजगार की समस्या भी खत्म हुयी और अनउपजाऊ भूमि से सालभर सब्जी एवं गन्ना पैदा कर 50 से 60 हजार रूपये प्रतिवर्ष कमा रहा है । आमदनी बढ़ने से उनके सामाजिक रहन सहन में भी प्रगति हुई है ।

संरक्षक : श्री सरजियस मिंज, (आई.ए.एस.) कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ.आर.बी.एस.सेंगर, निदेशक विस्तार सेवायें, इं.गां.कृ.वि.वि.

प्रेरणा स्त्रोत : डॉ. यू.एस.गौतम, आंचलिक समन्वयक, जोन–7, जबलपुर
डॉ. एस.के. पाटिल, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर

प्रकाशक : डॉ. एस.सी. मुखर्जी, कार्यक्रम समन्वयक, के.वी.के. बस्तर

संपादक : डॉ. बी.एस. किरार, एस.एम.एस. (कृषि विस्तार)

सहयोगी : सुश्री रत्ना नशीने, एस.एम.एस. (गृह विज्ञान)
डॉ. बी.एस. असाटी, एस.एम.एस. (उद्यानिकी)
श्री आर. एस. राजपूत, प्रक्षेत्र प्रबंधक (मृदा विज्ञान)